ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६२
दिनांक- मंगलवार, १० अगस्त, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.5 एवं 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 84 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.0 एवं दोपहर में 34.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 56.5 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(11–15 अगस्त, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 11–15 अगस्त, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- मनसूनी रेखा के हिमालय के काफी करीब होने के कारण तथा कम दबाव के क्षेत्र बनने से उत्तर बिहार के जिलो में अनुकूल मौसमीय परिस्थितियों के चलते अधिकतर जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की संभावना है। अगले 24–72 घंटो के दौरान तराई तथा मैदानी के भागो के जिलों में अधिकतर स्थानों पर रूक–रूक कर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। तराई के अनेक स्थानों पर तथा मैदानी भागों के 1–2 स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 70 से 75 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 07–12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि विगत वर्षा के होने से खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- अगात बोयी गई अरहर की फसल में निकौनी तथा छटनी करे। सितंबर अरहर के लिए खेत की तैयारी करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- जिन किसान भाई के पास खरीफ प्याज का बिचड़ा तैयार है वे उथली क्यारियाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपनी करें। क्यारियों की चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बिगत माह बोयी गई बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- परवल की राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी० १, एफ०पी० ३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१,२,१०५ किस्मों की रोपनी करें। बीज दर २५०० गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी २X२ मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट ३ से ५ किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली २५० ग्राम, एस०एस०पी० १०० ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश २५ ग्राम एवं थिमेट १० से १५ ग्राम का व्यवहार करें। परवल के अच्छे फलन के लिए ५ प्रतिशत नर पौधे की रोपाई अवश्य करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (१०-१५ सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी०ओ०-०७, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर ३००-३५० ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में ०७-१० सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय २० से २५ टन सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० से ८० किलोग्राम फॉस्फोरस, ४० से ६० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। फलदार एवं वानिकी पौधो को लगाने का यह समय उपयुक्त चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार फलदार पौधें का बगाान जैसे- आम, लीची, कटहल, ऑवला, अमरुद, शरीफा, नींबु की रोपनी करें। वानिकी पौधो जैसे- सागवान, चह, हरा सेमल, देशी सेमल, सफेद सिरीस, काला सिरीस, अर्जुन, गम्हार, गुलमोहर की रोपनी करें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें। वैसे किसान जिनका मिर्च का बिचडा तैयार हो, वे रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से बिचड़ों का उपचार अवश्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी